

# भूमि सुधार उप समाहर्ता का न्यायालय, सरायकेला

नामांतरण अपील वाद सं०-०१/२०१७-१८

विष्णु दयाल शर्मा बनाम ब्रह्मानन्द शर्मा

## आदेश

3-07-18

यह अपील वाद श्री विष्णु दयाल शर्मा पिता स्व० रामचन्द्र शर्मा निवासी--१३८/ए. रुकमनी सदन, छोटा गम्हरिया, पो०-गम्हरिया, थाना-गम्हरिया जिला-सरायकेला-खरसावाँ के द्वारा अंचल अधिकारी गम्हरिया द्वारा नामांतरण वाद सं०-१०६९/१५-१६ में दिनांक १८.११.२०१५ को पारित आदेश विरुद्ध दायर किया है।

अपील दायर करने में विलम्ब होने के फलस्वरूप लिमिटेशन एक्ट (Limitation Act) की धारा ५ के अन्तर्गत अलग से आवेदन पत्र दिये हैं।

अपील सुनवाई के लिए स्वीकार किया गया तथा निम्न न्यायालय से संबंधित अभिलेख की मांग किया गया और उत्तरवादी को सूचना दी गई।

अपीलार्थी के अनुसार मौजा-छोटा गम्हरिया, थाना नं०-६७ के ख़ाता नं० २३ के अन्तर्गत प्लॉट नं० ९०५ के आंशिक रकबा ०.०१ एकड़ भूमि उनके पिता स्व० राम चन्द्र शर्मा का स्वअर्जित भूमि सम्पत्ति है। जिस पर उनके पिता द्वारा दो मंजिला आवासीय मकान बनवाया गया है तथा उनके पिता एवं माता का स्वर्गवास हो चुका है। वर्तमान में अपीलार्थी एवं उत्तरवादी दोनों अपने पिता द्वारा बनाये आवास पर रहते हैं। अपीलार्थी का कहना है कि उनके पिता स्व० राम चन्द्र शर्मा के मृत्योपरांत उनके दो पुत्र ब्रह्मानन्द शर्मा (उत्तरवादी) एवं विष्णुदयाल शर्मा (अपीलार्थी) तथा तीन पुत्रियाँ यथा श्रीमति चिन्ता शर्मा, श्रीमति मोहिता शर्मा तथा श्रीमति स्वेता शर्मा कानून उत्तराधिकारी हैं एवं पैतृक सम्पत्ति का विधिक स्वामी हैं। अपीलार्थी का कहना है कि तीनों बहनों का विवाह हो चुका है और वे अपने-अपने ससुराल में रहते हैं। उन्होंने कहा कि विवाहित प्रश्नगत भूमि/मकान पर दोनों भाई अपीलार्थी एवं उत्तरवादी समान-समान हिस्से में परिवार के साथ रहते हैं और पुरे संयुक्त स्वामित्व के अधीन हैं।

उन्होंने कहा कि संयुक्त स्वामित्व के आवासीय भूमि मकान को अंचल अधिकारी गम्हरिया ने नामांतरण वाद सं०-१०६७/१५-१६ में दिनांक १८.११.१५ को पारित आदेश के द्वारा उत्तरवादी के एक मात्र उत्तराधिकारी घोषित कर नामांतरण की स्वीकृति होने में उत्तराधिकारी कानून का अनदेखा किये हैं तथा कानून का अवहेलना किये हैं। उनका कहना है कि अंचलाधिकारी गम्हरिया ने उत्तराधिकारी नामांतरण की प्रक्रिया एवं नियम का अनदेखा कर त्रुटिपूर्ण आदेश पारित किये, यह निरस्त योग्य है। अतः नामांतरण वाद सं०-१०६७/१५-१६ में दिनांक १८.११.१५ को पारित आदेश को निरस्त किया जाय।

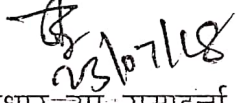
उत्तरवादी की ओर से विद्वान अधिवक्ता ने कहा कि उनके पिता के देहान्त के पश्चात दोनों भाई अलग-अलग रहते हैं और प्रश्नगत भूमि/मकान उनके हिस्से का है, जो

दोनों भाई के बीच आपसी बँटवारा में प्राप्त हुआ है। इस संबंध में शपथ पत्र अपीलार्थीओं द्वारा दिया गया तथा पारिवारिक बंटननामा प्रस्तुत किये हैं। अतः अंचल अधिकारी गम्हरिया द्वारा नामांतरण वाद सं०-1067/15-16 में पारित आदेश पूर्णतः विधि सम्मत है और अपीलार्थी का आवेदन मात्र परेशान करने के लिए जानबुझ कर प्रस्तुत किये जो अस्वीकार करने योग्य है।

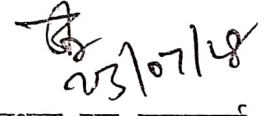
दोनों पक्षों के तर्कों एवं प्रस्तुत दस्तावेज और निम्न न्यायालय के अभिलेख का अवलोकन से स्पष्ट होता है कि अपीलार्थी एवं उत्तरवादी के पिता के नाम पर प्रश्नगत भूमि एवं मकान है। जिस पर दोनों भाई रहते हैं। दोनों भाईयों में विधिवत बँटवारा नहीं हुआ है इसलिए एक ही पुत्र के नाम पर उत्तराधिकारी नामांतरण की स्वीकृति देकर अंचल अधिकारी, गम्हरिया ने नियम एवं प्रक्रिया का पालन करने में विफल हुए हैं। ऐसी स्थिति में अंचल अधिकारी, गम्हरिया द्वारा नामांतरण वाद सं०-1067/15-16 में दिनांक 18.11.15 को पारित आदेश को निरस्त की जाती है एवं अंचल अधिकारी, गम्हरिया को आदेश दिया जाता है कि पंजी-II में आवश्यक सुधार अंकित करें।

तदनुसार अपील आवेदन स्वीकार किया जाता है।

लेखापित



भूमि सुधार उप समाहर्ता,  
सरायकेला।



भूमि सुधार उप समाहर्ता,  
सरायकेला।